प्रोफेसरों ने मिलकर ऑनलाइन हिंदी दिवस मनाया

लाडवा, 14 सितम्बर (अ): नगर के इन्दिरा गांधी नेशनल राजकीय महाविद्यालय परिसर में सोमवार को सभी प्रोफेसरों ने मिलकर ऑनलाइन हिन्दी दिवस का आयोजन किया जिसमें महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए प्रोफेसर सुबे सिंह ने कहा कि हिन्दी मेरी आन है हिन्दी मेरी शान, हिन्दी से मैं हिन्दुस्तानी हिन्दी मेरी पहचान। हिन्दी हमारी मातृभाषा है जो संस्कारों से सजीवजी है जो हमारे सिर पर ताजी बिन्दी की तरह है। हिन्दी भाषा एक ऐसी सरल भाषा है जिस को सब से आसानी से बोला व सीखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हिन्दी दिवस हमेशा 14 सितम्बर को ही मनाया जाता है जहां 14 सितम्बर 1949 संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की राजभाषा होगी। वहीं 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी के पुरोधा राजेन्द्र सिंह का 50वां जन्म दिवस था जिन्होंने हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए बहुत ही लम्बा संघर्ष किया था। वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात हिन्दी को राष्ट्रभाषा स्थापित करने के लिए काका कालेलकर, मैथिलीशरण गुप्त हजारी प्रसाद द्विवेदी सेठ गोविन्ददास आदि साहित्यकारों ने अथक प्रयास किए। प्रोफेसर संजीव कुमार कंसल ने बताया कि विश्व में सभी विकसित देश अपने तकनीकी कार्यों में अपने ही देश की भाषा का प्रयोग करते हैं और इसके देश में भी तकनीकी क्षेत्र में अपनी भाषा पर प्रयोग प्रारम्भ हो चुका है। उन्होंने कहा यदि हम अपनी ही भाषा में अपने तकनीकी ज्ञान की उन्नत करते हैं तो हमें विकसित करने में कोई नहीं रोक सकता। उक्त कार्यक्रम हिन्दी विभाग के प्रोफेसर श्रीराम ने आयोजित किया जिसमें अनिल कुमार

ऑनलाइन हिंदी दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेते महाविद्यालय के प्रोफेसर

डा. प्रवीण विजय डा. राजपाल व प्रीति सिंघल ने भी हिस्सा लिया।

'हिंदी भाषा देश की राष्ट्रीय अस्मिता व गौरव का प्रतीक'

14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था

बादशाहपुर, 14 सितम्बर (अ): हिंदी दिवस पर आज गुरुग्राम में जगह-जगह कई तरह के कार्यक्रम आयोजित कर हिंदी दिवस मनाया गया। उक्त विषय में बोलते हुए भाजपा नेता देवेंद्र यादव शिकोहपुर ने कहा कि हिंदी भाषा देश की राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। जिसको हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा

देवेन्द्र यादव

घोषित किया गया था। इस निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर 1953 से पूरे भारत में 14 सितम्बर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। हिंदी भारत की 22 भाषाओं में से एक है। अधिकतर भारतीय हिंदी को बोलते और समझते हैं। उत्तर भारत के राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश में हिंदी बोली और समझी जाती है। हिंदी दिवस पर हिंदी के प्रसार और प्रचार के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इस दिन स्कूल, कॉलेजों में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। 14 सितम्बर 1953 को पहली बार देश में हिंदी दिवस मनाया गया था। हिंदी केवल हमारी मातृभाषा या राजभाषा ही नहीं अपितु यह राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। भाषा के बिना कोई भी अपनी बात को, अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त नहीं कर सकता। भाषा के जरिए ही विविध प्रकार की संस्कृति को जाना जा सकता है। उसमें हिंदी भाषा बहुत महत्वपूर्ण है। हिंदी में आप सहजता से अपनी बात समझा सकते हैं।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने हिंदी दिवस पर दी बधाई

अपने रोजमर्रा के कार्यों में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने की अपील की

नूंह, 14 सितम्बर (ब्यूरो): उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में जिलावासियों को बधाई देते हुए कहा कि हिंदी दिवस को मनाने का उद्देश्य हिंदी भाषा की स्थिति और विकास पर होने वाले मंथन को ध्यान में रखना है।

उपायुक्त ने बताया कि देश के संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के तौर पर स्वीकार करने का फैसला लिया था। इस ऐतिहासिक क्षण के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के तौर पर मनाया जाता है। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दौरान हिंदी में प्रकाशित होने वाले पत्र-पत्रिकाओं ने देश वासियों को अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जागरूक करने का कार्य किया था। तेजी से बढ़ते अंग्रेजी भाषा के वर्चस्व से जहां दूसरी भाषाओं का प्रचार प्रसार कम हो रहा है, वहीं हिंदी भाषा के प्रभाव में वृद्धि हो रही है। समय के साथ भाषा में परिवर्तन अवश्य आते हैं, लेकिन हिंदी ने अपने वर्चस्व को कायम रखा है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि हमें भी अपने रोजमर्रा के कार्यों में हिंदी भाषा को बढ़ावा देना चाहिए। ऋषि-मुनियों ने आरंभ से ही हिंदी भाषा को प्राथमिकता दी, जिससे भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के बारे में हमें ज्ञान हुआ। संस्कृत तथा हिंदी भाषा की बदौलत ही भारतीय सभ्यता के बारे में देश को विश्व में ख्याति प्राप्त हुई। मातृभाषा को अपनाने में संकोच नहीं करना चाहिए। हिंदी ने पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोया है। हिंदी एक भाषा नहीं, बल्कि उस विराट सांस्कृतिक चेतना का नाम है, जिसमें अनगिनत बोलियां, वर्ग, समुदाय, संस्कार, पंथ, धर्म और युग जीवन दर्शन हो बहुविध रूपाकारों में समाहित है। धर्म और आदर्शों से जोड़ते हुए इस प्रकार भाषा में भाव है, जैसे है, एक दूसरे को समझने-बूझने और अपने समय जाने या फिर उसे सभी समय होने को अभिव्यक्ति करती भी है।

सभी प्रोफेसरों ने मिलकर मनाया ऑनलाइन हिन्दी दिवस

विनोद गर्ग, गुड़गांव टुडे/तावडू। नगर के हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महाविद्यालय परिसर में सोमवार को सभी प्रोफेसरों मिलकर ऑनलाइन हिन्दी दिवस का आयोजन किया जिस में महा विद्यालय के छात्र छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए प्रोफेसर सुबेसिंह ने कहा कि हिन्दी मेरी आन है हिन्दी मेरी शान हिन्दी से मैं हिन्दुस्तानी हिन्दी मेरी पहचान। हिन्दी हमारी मातृभाषा है जो संस्कारों से सजीधजी है जो हमारे सिर पर प्यारी बिन्दी की तरह है। हिन्दी मात्र एक ऐसी सरल भाषा है जिस को सब से आसानी से बोला व सीखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हिन्दी दिवस हमेशा 14 सितम्बर को ही मनाया जाता है जहां 14 सिम्बर 1949 संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की राजभाषा होगी। वहीं 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी के पुरोधा रा‸न्द्र सिंह का 50वां जन्म दिवस था जिन्होंने हिन्दी को राष्ट्रभाष बनाने के लिए बहुत ही लम्बा संर्घष किया था। वहीं स्वतत्रंता प्राप्ति के पश्चात हिन्दी को राष्ट्रभाषा स्थापित कराने के लिए काका कालेलकर मैथिलीशरण गुप्त हजारी प्रसाद दवेदी सेठ गोबिन्ददास आदि साहित्यकारों ने अथक प्रयास किए। प्रोफेसर नरेश कुमार कंसल ने बताया कि विश्व में सभी विकसित देश अपने तकनीकी कार्यों में अपने ही देश की भाषा का प्रयोग करते हैं और हमारे देश में भी तकनीकी क्षेत्र में अपनी भाषा पर प्रयोग प्रारम्भ हो चुका है। कंसल ने कहा यदि हम अपनी ही भाषा में अपने तकनीकी ज्ञान को उन्नत करते हैं तो हमें विकसित करने से कोई नहीं रोक सकता। उक्त कार्यक्रम हिन्दी विभाग के प्रोफेसर शीशान ने आयेजित किया जिस में अनिल कुमार डा. प्रवीण विजय डा. राजपाल व प्रीति सिंघल ने भी हिस्सा लिया।

पौधरोपण कर वैश्विक भाईचारा बनाए रखने का दिया संदेश

तावडू, 26 सितम्बर (आ): नगर के लाला हरद्वारी लाल गोयल राजकीय महा विद्यालय परिसर में महा विद्यालय के प्राचार्य डा. रमेश कुमार गर्ग ने त्रिवेणी नीम पीपल व बड़ का पौधरोपण कर वैश्विक भाईचारा बनाए रखने का संदेश दिया है।

महाविद्यालय परिसर में त्रिवेणी लगाते प्राचार्य डा. रमेश कुमार गर्ग व अन्य

इस अवसर पर प्राचार्य डा. रमेश कुमार गर्ग ने कहा कि आज व्यक्ति विशेष पेड़ पौधों को काट कर कंकरीट के जंगलों में तबदील कर रहा है। जिससे पर्यावरण दूषित होता जा रहा है यहां तक कि मनुष्यों को सांस लेना भी दूभर हो रहा है जब कि पेड़ो से न केवल फल फूल मिलते हैं इन से हमें सांस लेने के लिए आक्सीजन गैस भी मिलती है। प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में कम से कम 5 पेड़ अवश्य लगाने ही चाहिए और जब तक वो बड़े न हो जाए एक बच्चे की भांति उन पेड़ों की पूरी तरह से देखभाल भी की जानी चाहिए। इस अवसर पर उप प्राचार्य ऋषि जून डा. राजेन्द्र कुमार डा. अतर सिंह डा. वेद प्रकाश डा. राजपाल तथा अन्य प्रोफेसर भी उपस्थित थे।

राजकीय महाविद्यालय परिसर में किया त्रिवेणी का पौधारोपण

विनोद गर्ग, गुड़गांव टुडे

तावडू। नगर के लाला हरद्वारी लाल गोयल राजकीय महाविद्यालय परिसर में महा विद्यालय के प्राचार्य डा. रमेश कुमार गर्ग ने त्रिवेणी नीम पीपल व बड़ का पौधारोपण कर वैश्विक भाईचारा बनाए रखने का संदेश दिया है। इस अवसर पर प्राचार्य डा. रमेश कुमार गर्ग ने कहा कि आज व्यक्ति विशेष पेड़ पौधों को काट कर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर रहा है। जिस से पर्यावरण दूषित होता आ रहा है यहां तक कि मनुष्यों को सांस लेना भी दूभर हो रहा है जब कि पेड़ो से न केवल फल फूल मिलते है इन से हमें सांस लेने के लिए आक्सीजन गैस भी मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में कम से कम 5 पेड़ अवश्य लगाने ही चाहिए और जब तक वो बड़े न हो जाए एक बच्चे की भांति उनकी पूरी देखभाल की जानी चाहिए। इस अवसर पर उप प्राचार्य ऋषि जून डा. राजेन्द्र कुमार डा. अतर सिंह डा. वेद प्रकाश डा. राजपाल तथा अन्य प्रोफेसर उपस्थित थे।

महाविद्यालय परिसर में त्रिवेणी लगाते हुए प्राचार्य डा. रमेश कुमार गर्ग एवं अन्य।

24 oct 2020.

संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया

तावडू, 24 अक्तूबर (आ): नगर के लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महा विद्यालय परिसर में शनिवार को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया गया। महा विद्यालय के प्राचार्य ऋषि कुमार जून ने संयुक्त राष्ट्र के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्तूबर 1945 को विश्व के 50 देशों ने संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर इस का गठन किया गया। जून ने बताया कि इस के गठन के समय इस में 50 देश शामिल थे जिनकी संख्या साल दर साल बढ़ती गई अब वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के 193 देश सदस्य हैं जहां भारतवर्ष भी इसके प्रारम्भिक सदस्यों में से एक है। एन एस एस के कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रवीण ने संयुक्त राष्ट्र के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि इस का उद्देश्य विश्व में शान्ति और सुरक्षा को बढ़ावा देना है वहीं बृहद स्तर पर स्वास्थ्य शिक्षा तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक स्तर पर देशों से सम्बंध बनाना भी है। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर अतर सिंह प्रोफेसर सुबे सिंह ने भी सम्बोधित किया।

संयुक्त राष्ट्र दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए प्रोफेसर एवं प्राध्यापक। (आदर्श)

अवैध खनन रोकने के लिए पहाड़ी में की जांच

तावडू, 24 अक्तूबर (आ): गैर मुमकिन पहाड़ मोहम्मदपुर खरक जलालपुर में पत्थर का अवैध खनन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध खनन निरिक्षक होशियार सिंह एवं पुलिस स्टाफ ने पहाड़ी क्षेत्र का निरिक्षण किया जहां सर्वोगा न्यायालय के प्रतिबंध के पश्चात भी खानों के जाने वाले रास्ते पर ट्रैक्टर ट्रालियों के ताजा निशानात पाये गए तथ मौके पर ताजा टूटा हुआ पत्थर भी मिला लेकिन कोई व्यक्ति अवेध खनन करते हुए नहीं मिला। जिस की हमने निजि स्तर पर जांच की इस लिए चोरी करने वालों के विरूद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

25 Oct. 2020.

लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महाविद्यालय परिसर में मनाया गया संयुक्त राष्ट्र दिवस

वैभव गर्ग, गुड़गांव टुडे

तावडू। नगर के लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महाविद्यालय परिसर में शनिवार को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया गया। महा विद्यालय के प्राचार्य ऋषि कुमार जून ने संयुक्त राष्ट्र के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्तूबर 1945 को विश्व के 50 देशों ने संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर इस का गठन किया गया। जून ने बताया कि इस के गठन के समय इस में 50 देश शामिल थे जिनकी संख्या साल दर साल बढ़ती गई अब वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के 193 देश सदस्य हैं जहां भारतवर्ष भी इसके प्रारम्भिक सदस्यों में से एक है। एन एस एस के कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रवीण ने संयुक्त राष्ट्र के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि इस का उद्देश्य विश्व में शान्ति और सुरक्षा को बढ़ावा देना है वहीं वृहद स्तर पर स्वास्थ्य शिक्षा तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक स्तर पर देशों से सम्बंध बनाना भी है। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर अतर सिंह प्रोफेसर सुबे सिंह ने भी सम्बोधित किया तथा सभी प्राध्यापकों ने भी हिस्सा लिया।

संयुक्त राष्ट्र दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए प्रोफेसर एवं प्राध्यापक।

27 Nov. 2020

'सर्वोच्च विधान है भारत का संविधान'

महाविद्यालय परिसर में संविधान की शपथ दिलाते प्रो. बीपी भारद्वाज।

तावडू, 27 नवम्बर (आ): नगर के लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महाविद्यालय परिसर में कोरोना वायरस संक्रमण को ध्यान में रखते हुए संवधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य सुबेसिंह ने कहा कि भारत का संविधान भारत का सर्वोच्च विधान है जो कि 26 नवम्बर 1949 को पारित किया गया था तथा 26 जनवरी 1950 को प्रभावी हुआ जो भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया। सुबेसिंह ने कहा कि 26 जनवरी को भारत का गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। भारत का संविधान लोकतंत्र का धर्मग्रंथ है भारत राज्यों का एक संघ और यहां पर स्वतंत्र प्रभुसत्ता सम्पन्न समाजवादी लोकतंत्रात्मक गणराज्य है।भूगोल विभागाध्यक्ष डा. राजपाल ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द 1976 में संशोधन द्वारा प्रस्तावना में जोड़े गए जो अपने सभी नागरिकों को जाति रंग नस्ल धर्म और भाषा के आधार पर कोई भेदभाव किए बिना सभी को बराबरी का दर्जा और अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान सार्वभौमिक, लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष 3 प्रमुख बिन्दुओं पर आधारित है। संविधान के विषय में डा. अतर सिंह एवं प्रोफेसर बीपी भारद्वाज ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर सभरी कर्मचारियों द्वारा शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया जिस में प्रमुख तौर पर हिन्दी के शशांक सिंह डा. प्रवीण डा. भारती हंस योगिता विजय राकेश कुमार राठी तौफीक आदि उपस्थित थे।

25 Dec. 2020

गुड़गांव। वीरवार, 24 दिसंबर 2020

25 दिसंबर को तावडू में ब्लड डोनेशन, हेल्थ व आई चेकअप कैंप

सुनील शर्मा/गुड़गांव मेल

तावडू, 23 दिसंबर। 25 दिसंबर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में तावडू प्रशासन व जिला रेडक्रॉस द्वारा तावडू में ब्लड डोनेशन कैंप सहित हेल्थ व आई चेकअप कैंप आयोजित किया जाएगा। शहर की अग्रवाल धर्मशाला में सुबह दस बजे से दोपहर तीन बजे तक यह कैंप आयोजित होगा। कैंप को लेकर स्थानीय प्रशासन व जिला रेडक्रॉस टीम द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई हैं।

एसडीएम डॉ. नरेश कुमार ने बताया कि 25 दिसंबर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस की स्मृति में भाजपा सरकार द्वारा देशभर में सुशासन दिवस मनाया जाता है। इसको लेकर स्थानीय प्रशासन ने तावडू में ब्लड डोनेशन सहित हेल्थ व आई चेकअप कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया। जिसको लेकर रेडक्रॉस को सूचित किया गया। बुधवार को उनके कार्यालय में जिला रेडक्रॉस की टीम संग इन विषयों पर मीटिंग हुई। जिसमें निर्णय लिया गया कि शहर की अग्रवाल धर्मशाला में यह कैंप लगेगा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि ब्लड डोनेशन कैंप में शिरकत कर ब्लड डोनेट करें ताकि उनका ब्लड जरूरत पडने.पर किसी जरूरतमंद के काम आ सके। वहीं हेल्थ व आईचेक कैंप का भी लोग लाभ लें। वहीं जिला रेडक्रॉस सचिव महेश गुप्ता ने कहा कि कैंप में मेडिकल कॉलेज नलहड़ की टीम शिरकत करेंगी।

उन्होंने कहा कि कैंप में फिजिशियन चिकित्सकों सहित आंख, कान, नाक, दांत, गला, गाईनी के रोगों सहित व अन्य रोगों से संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सक कैंप में शिरकत करेंगे। मीटिंग में रेडक्रॉस के जिला प्रशिक्षण अधिकारी एचएस कुंडू, रक्तदान कमेटी के राज्य स्तरीय सदस्य दिनेश नागपाल, समाजसेवी जगदीश मेंहदीरत्ता, एक्सटेंशन लेक्चरर प्रीति, प्रवीन कुमार, राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल तावडू के प्राचार्य मुकेश शर्मा, ललित सोनी मौजूद थे।

12 Jan.

छात्र-छात्राओं ने लिया युवा दिवस कार्यक्रम में हिस्सा

12 Jan 2021

आदर्श गर्ग, गुड़गांव टुडे

तावडू। नगर के लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महाविद्यालय परिसर में 12 जनवरी से 18 जनवरी के मध्य युवा दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस प्रभारी डा. प्रवीण कुमार ने किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। छात्रों द्वारा विभिन्न गतिविधियां जारी रखते हुए सभी छात्रों ने एक वृक्ष को रंगों द्वारा चित्रित किया गया और उसके विषय में अच्छे विचारों को लिखा तो कुछ एक छात्रों ने ग्रीटिंग कार्ड बनाए और कुछ छात्रों ने गुब्बारों पर एचआइवी एड्स से सम्बंधित अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डा. राजपाल जो नेचर एंड ट्रैफिक इंटरप्रिटेशन सेंटर के नोडल अधिकारी हैं। जिन्होंने पर्यावरण को संरक्षण के लिये अपने विचार व्यक्त किये। जिसमें उन्होंने बताया कि पर्यावरण के संरक्षण के लिये सबसे आवश्यक है पौधारोपण अधिक से अधिक संख्या में किया जाए

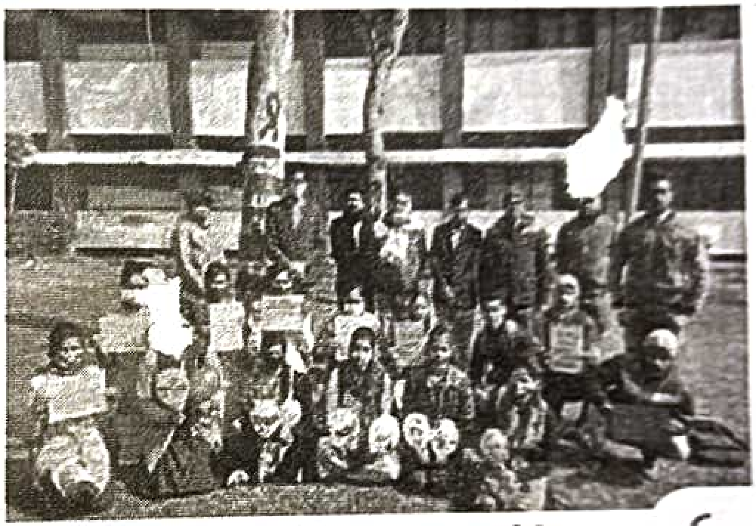

छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए ग्रीटिंग व गुब्बारों के साथ स्टाफ एवं प्रतिभागी।

6

व प्लास्टिक का कम से कम उपयोग किया जाए और पॉलिथिन तनिक भी इस्तेमाल न करें। डा. राजपाल ने रोड सेफ्टी पर भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग आवश्यक है और गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट लगाना व लाइसेंस होना आवश्यक है। वहीं नशा कर के कभी भी वाहन न चलाएं जिस कारण कोई भी गम्भीर दुर्घटना घ सकती है। उन्होंने बताया कि रोड पार करते समय पहले दायीं ओर देख चाहिए और फिर बाईं ओर देख चाहिए। इस अवसर पर संजना कोमल कीर्ति व मोमिन आदि छात्र छात्राओं सहित नरेश कुमार कंसल डा. मुके कुमार अनिल कुमार व प्रीति सिंघल ने हिस्सा लिया।

महा विद्यालय परिसर में हुआ स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन

12 Jan 2021

आदर्श गर्ग, गुड़गांव टुडे

तावडू। नगर के लाला इहरद्वारीलाल गोयल राजकीय महा विद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय स्तर पर युवा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महा विद्यालय के प्राचार्य ऋषि कुमार जून ने स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन के वृतांत के विषय में विस्तार से बताया कि उनका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ उनके पिता का नाम विश्वनाथ दत्त व माता का नाम भुवनेश्वरी था। स्वामी विवेकानंद ने अपना पूरा जीवन ज्ञानापर्जन के लिये अपने गुरू स्वामी रामकृण परम हंस के लिये समर्पित कर दिया। जिन्हें बचपन में नरेन्द्र के नाम से जाना जाता था। जो बचपन से तीव्र बुद्धि के थे। स्वामी विवेका नंद ने 1893 शिकागो में हुई धर्म परिषद में हिस्सा लिया जहाँ उन्हें बोलने की अनुमति भी नहीं मिल पाई लेकिन स्वामी विवेका नंद ने मात्र 2 मिनट मांगे और सब से पहले अपनी मात् भाषा हिन्दी का प्रयोग करते हुए शिकागों में उदबोधन करते हुए कहा कि मेरे शिकागों के भाइयो और बहनो बस मात्र इन दो शब्दों ने शिकागों की धर्म परिषद में तहलका मच गया और जो बोलने से मना कर रहे थे उन्ही लोगों ने स्वामी विवेका नंद का समूचा भाषण हिन्दी में सुना क्यशें कि उनसे पूर्व जो भी वक्ता बोले लेडीज एंड जेनटिलमेन्स से सम्बोधित किया लेकिन स्वामी विवेकानंद के मात्र 2 शब्दों ने प्यारे भाइयो और बहनों ने शिकागों की जनता पर जादू कर दिया। स्वामी विवेकानंद ने अध्यात्म संस्कृति एवं सभ्यता की झलक विश्व मंच पर एक अलग छाप छोड़ी। इस अवसर पर डा. मुकेश कुमार नरेश कुमार कंसल प्रोफेसर सूबे सिंह डा. राजपाल डा. प्रीती सिंघल प्रवीण कुमार मोनू कुमार सहित छात्र छात्राएं भी उपस्थित थी।

26 Jan 2021

प्रो. बीपी भारद्वाज ने संविधान दिवस पर कर्मचारियों को दिलाई शपथ

26 Jan.

- महाविद्यालय परिसर में संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित।

वैभव गर्ग, गुड़गांव टुडे

महा विद्यालय परिसर में संविधान की शपथ दिलाते हुए प्रोफेसर बीपी भारद्वाज।

तावडू। नगर के लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महाविद्यालय परिसर में कोरोना वायरस संक्रमण को ध्यान में रखते हुए संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महा विद्यालय के प्राचार्य सुबेसिंह ने कहा कि भारत का संविधान भारत का सर्वोच्च विधान है जो कि 26 नवम्बर 1949 को पारित किया गया था तथा 26 जनवरी 1950 को प्रभावी हुआ जो भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया। सुबेसिंह ने कहा कि 26 जनवरी को भारत का गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। भारत का संविधान लोकतंत्र का धर्मग्रंथ है भारत राज्यों का एक संघ और यहां पर स्वतंत्र प्रभुसत्ता सम्पन्न समाजवादी लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। भूगोल विभागाध्यक्ष डा. राजपाल ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द 1976 में संशोधन द्वारा प्रस्तावना में जोड़े गए जो अपने सभी नागरिकों को जाति रंग नस्ल धर्म और भाषा के आधार पर कोई भेदभाव किए बिना सभी को बराबरी का दर्जा और अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान सर्वोच्च, लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष 3 प्रमुख बिन्दुओं पर आधारित है। संविधान के विषय में डा. [illegible] सिंह एवं प्रोफेसर बीपी भारद्वाज ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर सभी कर्मचारियों द्वारा शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया जिस में प्रमुख तौर पर हिन्दी के शशांक सिंह डा. प्रवी[illegible] डा. भारती हंस योगिता [illegible] राकेश कुमार शर्मा तौफीक आ[illegible] उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर हुआ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

आदर्श गर्ग, गुड़गांव टुडे

तावडू। जिला मुख्यालय पर मनाये गए गणतंत्र दिवस के अवसर पर हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश डांडा के समक्ष 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' नाटक में 4 टीमों ने हिस्सा लिया। जिस में लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महा विद्यालय की टीम ने हिस्सा लेकर प्रथम स्थान पर रह कर महा विद्यालय का ही नहीं अपितु समूचे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नाटक में हिस्सा लेने वाले सुनील नेहा रेशमा पूनम शाहरूख मुस्तफा तन्नू व सलीम ने मुख्य भूमिका निभाई। महा विद्यालय की टीम को प्रथम स्थान पर आने पर महा विद्यालय के प्राचार्य ऋषि जून ने बधाई दी है और प्रस्तुती काने वाले छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्र छात्राओं को अपनी पढ़ाई के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों भी अधिक से अधिक रूचि लेनी चाहिए।

27 Jan.

‘बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ’ नाटक में 4 टीमों ने लिया हिस्सा

27 Jan 2021

तावड़ू, 27 जनवरी (आ): जिला मुख्यालय पर मनाये गए गणतंत्र दिवस के अवसर पर हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश डांडा के समक्ष ‘बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ’ नाटक में 4 टीमों ने हिस्सा लिया। जिस में लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महा विद्यालय की टीम ने हिस्सा लेकर प्रथम स्थान पर रह कर महा विद्यालय का ही नहीं अपितु समूचे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नाटक में हिस्सा लेने वाले सुनील नेहा रेशमा पूनम शाहरूख मुस्तफा तन्नू व सलीम ने मुख्य भूमिका निभाई। महा विद्यालय की टीम को प्रथम स्थान पर आने पर महा विद्यालय के प्राचार्य ऋषि जून ने बधाई दी है और प्रस्तुती करने वाले छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्र छात्राओं को अपनी पढ़ाई के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों भी अधिक से अधिक रुचि लेनी चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर नाटक में टॉप पर रहा तावडू कॉलेज

सुनील शर्मा/गुड़गांव मेल

तावडू, 28 जनवरी। हरद्वारी लाल गोयल राजकीय महाविद्यालय तावडू में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 ऋषि कुमार रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ0 विमल कुमार, नेशनल लॉ विश्वविद्यालय जबलपुर (मध्य प्रदेश) रहे गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण डॉ0 विमल कुमार द्वारा किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ऋषि कुमार ने 72 वें गणतंत्र दिवस ने अपने संबोधन में बोला कि गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय पर्व कब कहा जाता है। इस दिन हमारे देश में हमारा संविधान लागू हुआ था । गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय परेड का आयोजन किया जाता है यह दिन हमारे लिए खुशी का दिन माना जाता है हमारे देश को आजादी दिलाने के लिए हमारे देश के नौजवानों ने अपने जीवन का बलिदान दिया था। हमारा देश 15 अगस्त 1947को आजाद हुआ था 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ था इस अवसर पर डॉ मुकेश कुमार ,डॉक्टर राजपाल, डॉक्टर राकेश , श्रीमती योगिता शर्मा, रूबी ,परवीन कुमारी उपसथित थे।

वहीं राजकीय महाविद्यालय हरिद्वारी लाल गोयल तावडू विद्यार्थियों ने 26 जनवरी के उपलक्ष्य में जिला स्तर पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में नाटक में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत जिला स्तर पर चार टीमों को लिया गया था जिसमें हरिद्वारी लाल गोयल के विद्यार्थियों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर अपनी नाट्य प्रस्तुति की थी जिसमें सुनील , नेहा, रेशमा ,पूनम ,शाहरुख ,मुस्तफा, तन्नू व सलीम की टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर प्राचार्य ऋषि कुमार जून ने विद्यार्थियों को बधाई दी। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के संयोजक प्रीति, प्रताप व सतीश कुमार ने तैयारी कराई गई थी।

Date :
Page No :

3 Feb 2014

03 Feb.

छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

छात्राओं को सेल्फ डिफेंस के गुर सिखाते कोच अनिल व सुभाष • जागरण

संवाद सहयोगी, तावडू: नगर के श्री हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महाविद्यालय में छात्राओं को आत्मरक्षा सिखाने संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत [illegible] छात्राओं का पंजीकरण कर [illegible] दिन का जूडो कराटे [illegible] विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य दिलबाग सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। आज के दौर में बढ़ती अराजकता व अनैतिकता के माहौल में अधिकतर छात्राएं खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं। यदि इस स्थिति में महिला या छात्राओं को अपने अधिकारों के बारे में पता हो और वह आत्मरक्षा करने में समर्थ हो तो वह कहीं भी बेहिचक आ जा सकती है।

प्रधानाचार्य दिलबाग सिंह ने कहा कि इस दौरान आत्मरक्षा के कोच मास्टर अनिल व जूडो कोच सुभाष द्वारा छात्राओं को बस में सफर करते समय पैदल चलते हुए या आटो में अकेले होने पर संदिग्ध गतिविधि होती है तो अपना बचाव किस तरह करना है, इसके लिए विस्तारपूर्वक समझाया।

इस अवसर पर उप प्राचार्य ऋषि जैन, प्रवक्ता सुबेसिंह, प्रवक्ता मुकेश कुमार, प्रवक्ता राजपाल, योगिता शर्मा के साथ प्रीति सिंघल उपस्थित रहीं।

4 Feb

राजकीय महा विद्यालय में अब जूडो कराटे की कक्षा

महाविद्यालय परिसर में छात्राओं को जूडो कराटे की ट्रेनिंग देते हुए मास्टर सुभाष एवं मास्टर अनिल। (आदर्श)

तावडू, 4 फरवरी (आ): नगर के लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महा विद्यालय परिसर में महाविद्यालय की छात्राओं को अपनी सुरक्षा के लिये महिला प्रकोष्ठ विभाग की ओर से जूडो कराटे की कक्षा उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर महा विद्यालय के नवनियुक्त प्राचार्य दिलबाग सिंह ने छात्राओं को कहा कि आधुनिक समय में महिलाओं को स्वयं ही अपनी आत्म रक्षा के [illegible] जिससे [illegible] महिलाओं को [illegible] आवश्यकता [illegible] कहीं भी आ जा सकती हैं। महिलाओं में आत्म विश्वास भी अति आवश्यक है। महिलाओं को चाहिये कि वो हालातों से समझौता न कर पूरे आत्म विश्वास के साथ परिस्थिति का सामना करें तभी अपनी आत्मरक्षा की जा सकती है। उप प्राचार्य ऋषि जैन ने कहा कि भारत का संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को स्वयं की रक्षा का अधिकार देता है जब कि देश के संविधान ने महिलाओं को भी बराबर का दर्जा दिया है। जूडो कराटे की प्रक्रिया से विषम स्थिति से भी निपटा जा सकता है। जूडो कराटे से अपनी व अपनी जानमाल को सुरक्षित रखा जा सकता है। मास्टर सुभाष और मास्टर अनिल कुडो स्पोर्टस के अन्तर्गत छात्राओं को जूडो कराटे की ट्रेनिंग दी गई। कार्यक्रम के संयोजक योगिता शर्मा एवं प्रीती ने छात्राओं के लिये जूडो कराटे की व्यवस्था की।

11 MARCH 2021
गुड़गाँव केसरी

11 March 2021

अच्छे कार्यों के लिए किया सम्मानित

प्रीति को सम्मानित करते हरद्वारीलाल गोयल महाविद्यालय की प्रवक्ता

तावडू, 10 मार्च (आ): नगर के लाला हरद्वारी लाल गोयल राजकीय महाविद्यालय में रैडक्रास के लिये किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिये जिला मुख्यालय पर प्राचार्य डा. दिलबाग सिंह उपप्राचार्य ऋषि कुमार जून व डा. प्रवीण कुमार व प्रीति को डिप्टी सीएमओ गजेन्द्र सिंह द्वारा सम्मानित किया गया है। गजेन्द्र सिंह ने लाला हरद्वारीलाल महाविद्यालय की टीम को रैडक्रास के कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने पर सराहना करते हुए कहा कि यह अपने आप में बहुत ही सराहनीय कार्य है जो रैडक्रास के माध्यम से लोगों की सहायता करते हैं।

APRIL 14 2021, पंजाब केसरी (गुड़गाँव केसरी)

विद्यालय में मनाई डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

तावडू, 13 अप्रैल (आ): नगर के लाला हरद्वारीलाल गोयल राजकीय महा विद्यालय परिसर में मंगलवार को बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जयन्ति का आयोजन किया गया। कार्यक्रमकी अध्यक्षता महा विद्यालय के प्राचार्य डा. दिलबाग सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ महा विद्यालय के उप प्राचार्य ग षि कुमार जून द्वारा डा. भीमराव अम्बेडर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डा. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ति हर वर्ष 14 अप्रैल को ही मनाई जाती है। इस अवसर पर प्रोफेसर सूबे सिंह की अध्यक्षता में प्रतियोगिता भी आयोजित की गई बगों की टीम बना कर प्रश्नौत्री की गई। द्वितीय प्रतियोगिता निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिस में भ्भीमराव अम्बेडकर का जीवन का महत्व और भारतीय संविधान की महत्ता पर छात्र छात्राओं ने लेखन किया। इस अवसर पर तौफीक भारती पायल सूबेदीन रितिक आरती निकिता व संजना को प्रशस्तर चिन्द देकर सम्मानित किया गया। डा. प्रवीण कुमार डा. विजय डा. राजपाल योगिता शर्मा प्रीती सिंघल डा. शीशान प्रताप सतीश कुमार राकेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कोरोना से सम्बंधित नियमों का विशेष ध्यान रखा गया।

शील्ड प्रदान करते प्राचार्य डा. दिलबाग सिंह उपप्राचार्य जून व अन्य

को-वैक्सीन और व

कोरोना की दूसरी वेव की स्पीड दे
और नाइट कर्फ्यू की स्थिति के बाद ह
अनुसार लॉकडाऊन या कर्फ्यू समाधान
रोहतास यादव से एक्सक्लूसिव बातची

प्रश्न : कोरोना की दूसरी वेव की स्पीड को देखकर आमजन काफी दहशत में है। इस मौके पर लोगों को क्या करना चाहिए?

उत्तर : कोरोना से बचने का पहला सबसे

Date :

Page No :

गुड़गांव केसरी 29/6/21.

संत कबीरदास जयंती का आयोजन किया

तावडू, 28 जून (आ): लाला हरद्वारी लाल गोयल राजकीय महा विद्यालय तावडू के प्रोफेसर सूबेसिंह एवं उनकी धर्मपत्नी सुशील कान्त जो कि संत कबीरदास के अनन्य भक्त हैं जिन्होंने कोरोना वैश्विक महामारी का ध्यान रखते हुए बहुत ही सक्ष्म रूप में अपने ही प्रतिष्ठान पर संत कबीरदास जयन्ति का आयोजन किया। जिस में प्रोफेसर सुबे सिंह ने कहा कि संत कबीरदास का जन्म कांशी नगरी के समीप लहरतारा गांव में सन 1398 में हुआ। जिन की मृत्यु बस्ती के समीप 1518 में मगहर में हुई।

कबीर जयन्ति मनाते हुए प्रोफेसर सुबे सिंह एवं धर्मपत्नी सुशील कान्त। (आदर्श)

संत कबीर एक बहुत ही महान कवी हुए जिन्होंने मंदिर एवं मस्जिद पर करारी चोंट की जो उपवास व्रत करने व रोजा रखने को आडम्बर ढकोसला मानते थे। कबीरा खड़ा बाजार में मांगे सब की खैर, न काहू से दोस्ती न काहू से बैर। हिन्दुओं में फैल रहे अंध विश्वास पर करारी चोंट करते हुए कहा कि पत्थर का 1 नाग बना के पूजें लोग लुगाई, घर में जिन्दा नाग निकल्या ले लाठी दबकाई। इतना ही नहीं जिंदा बाप कोई न पूजे मरे बाद पुजवाई, मुट्ठी भर चावल ले कौवे को बाप बनाई। पत्थर पूजे हरी मिले तो क्यों न पूजूं पहाड़ या से तो चाकी भली जाको पीस खाये संसार।

गुड़गांव केसरी 19/8/21.